12.5 hrs.

RE: LAID CEILINGS

श्री भोगेन्द्र झा (जयनगर) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके जरिये इस बात का आग्रह करना चाहता हूं कि शासक दल की ओर से ऐलान किया गया था कि 31 दिसम्बर, 1972 तक पूरे देश में भूमि हदबन्दी कानून नये आधार पर लागू कर दिया जायगा। मगर लगभग 1 साल से—8–10 महीने से—बिहार, आन्ध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, महाराष्ट्र के विधेयक जो वहां की सदनों में पारित हो चुके हैं, राष्ट्रपति जी की स्वीकृति के लिये यहाँ पड़े हुए हैं। नतीजा यह हो रहा है कि उत्तर प्रदेश, पंजाब, गुजरात और बहुत से अन्य राज्यों में अभी तक पारित भी नहीं किये जा सके हैं। यह बात सभी जानते हैं कि शासक दल की ओर से जो ऐलान हुए, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पैनल ने जो सुझाव दिये, उनको भी बाद में कुण्ठित कर दिया गया—बड़े भूस्वामियों के हित में और हमारा सत्तारूढ़ दल बड़े बड़े भूस्वामियों से भरा पड़ा है।

इसलिये मेरा आग्रह है कि आप कृषि मन्त्री जी से कहें कि वे सदन के अन्दर वक्तव्य दें कि इन विधेयकों को राष्ट्रपति जी की स्वीकृति कब तक दी जा रही है और जिन बाकी राज्यों में अभी तक विधेयक पारित नहीं हुआ है, उनके बारे में क्या किया जा रहा है?

बिहार के बारे में स्थिति बड़ी दयनीय है। टाटा की जमींदारी को रोकने वाला विधेयक यहां डेढ़ साल तक रोक कर रखा गया था, उसके बाद उसको बहुत कुंठित करके पारित किया गया। उसी तरह से जमीनों के तबादले को रोकने वाले आर्डिनेंन्स को भी यहां केन्द्र में रोका गया और जैसा सुनने में आया है—केन्द्र से कोई आदेश दिया गया है—बिहार विधेयक को रोकने के लिये। बिहार में जो बड़े बड़े भूस्वामी हैं वे एक नया वर्गीकरण पैदा करने की सोच रहे हैं। ऐसी स्थिति में वह विधेयक निश्चय ही इस साल पारित नहीं हो सकेगा।

इसलिये मेरा आग्रह है कि आप मन्त्री महोदय को आदेश दें कि वे सदन में वक्तव्य दें और हमें स्पष्टीकरण का मौका दें कि कब तक ये हद-बन्दी विधेयक सारे देश में लागू हो जायेंगे।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी (ग्वालियर): अध्यक्ष जी, हमने दिल्ली के आई० आई० टी० के बारे में काल-एटेन्शन दिया था एक सम्मानित प्रोफेसर को बिना कारण के निकल दिया गया...

अध्यक्ष महोदय : मेरे पास चालीस काल-एटेन्शन आये हुए हैं—अगर कोई मेम्बर इस तरह से हाउस में उठ कर पूछने लगे तो कैसे हो सकता है?

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : आपने खबर भेजी है कि स्वीकार नहीं किया गया।

अध्यक्ष महोदय : जो मंजूर होता है, वह यहां आ जाता है।

SHRI JYOTIRMOY BOSU (Diamond Harbour): This is the first time we have seen calling attention with one name and two names. We have never seen it before. It is a very strange thing. (*Interruptions*).

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अध्यक्ष जी, जब आई० आई० टी० की हालत बिगड़ेगी, क्या तब आप मोशन लेंगे? एक प्रोफेसर को इसलिये निकाल दिया गया, क्योंकि वह 3 और 4 क्लास एम्प्लाइज को आर्गेनाइज कर रहा था—यह तो विकटिमाइजेशन है। आप काल-एटेन्शन जरूर मंजूर कीजिये।

अध्यक्ष महोदय : अगर हाउस में मुझे परसुएड करेंगे तो न कमिट करता हूं और न मंजूर करता हूं।

श्री भोगेन्द्र झा : मेरा आग्रह था कि आप मन्त्री महोदय को आदेश दें।

अध्यक्ष महोदय : मैंने नोट किया है, वह कहेंगे।